सांस्कृतिक कार्यक्रम

गतिविधियां	समय	
	अवधि	अपेक्षित परिणाम
पर्ची से संभागियों को मंच पर आमंत्रण एवं प्रस्तुतीकरण	30 मिनट	विगत दिनों में प्रशिक्षण के दौरान कम मुखरित होने वाले संभागियों को खुलने का अवसर मिलेगा।
विशेष कलाकारों का प्रस्तुतीकरण	20 मिनट	सभी संभागी अपने साथियों की विशिष्ट कला का आनन्द ले सकेंगे।
अपनी संस्थाओं में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन एवं इनकी उपादेयता पर चर्चा	10 मिनट	स्वयं की संस्था में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करने के महत्व को समझ सकेंगे।

गतिविधि का संचालन कैसे करे ?

सुझाये गये चरण :–

- प्रशिक्षण अवधि में सर्वाधिक मुखरित प्रतिभागियों को छोड़कर शेष के नामों की पर्चियां बनाकर डिब्बे में रखें। पर्ची निकालकर प्रतिभागियों को मंच पर आमंत्रित करें, और उनकी स्वेच्छा से यथा गाना, कविता, हास्य, व्यंग्य आदि में से एक प्रस्तुती देने को कहें।
- समूह में कुछ व्यक्ति विशिष्ट कला के धनी होते हैं जिन्हे सब सुनना, देखना पसंद करते हैं उन्हें मंच पर आमंत्रित करें।

चिंतन मनन के प्रश्न :–

- शाला में ऐसे आयोजनो का क्या महत्व है ?
- शाला में आयोजित कार्यक्रमों में किन–किन गतिविधियों को सम्मिलित किया जा सकता है ?

सुगमकर्ता के लिए :–

आपको दिए गए उद्वरण सुझावात्मक है, इसमें आप पूर्व तैयारी के साथ परिवर्तन भी कर सकते हैं।

प्रमुख संदेश :–

- हमें यह समझने की आवश्यकता हैं कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान देना ही नहीं है बल्कि बच्चों के समग्र विकास में सहयोग करना है। इस पर भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं उन्हें शाला में आनंद आये।
- ऐसे कार्यक्रम बच्चों के साथ–साथ बड़ों को भी आनंदित करते हैं, तथा उन्हें अपनी प्रतिभा उजागर करने का अवसर भी मिलता है, जिससे जुड़ाव में प्रगाढ़ता आती हैं।